NEWS CLIPPING: 10.07.2018

DAINIK JAGRAN

अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम से आएगा बड़ा बदलाव

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआइसीटीई) द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम को नए शैक्षणिक सत्र में शुरू किए जा रहे तीन सप्ताह के अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए किया गया था।

तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में फरीदाबाद, गुरुग्राम, झज्जर, महेंद्रगढ़, नूंह, मेवात, पलवल, रेवाड़ी और दिल्ली के सरकारी व निजी इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थानों के लगभग 200 संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों को अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रशिक्षित करना है, ताकि वह अपने संस्थानों में अनिवार्य प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन करने में सक्षम हो सके। समापन समारोह में कुलपति प्रो.दिनेश कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता पर आयोजकों को बधाई दी तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम शैक्षणिक गुणवत्ता की पहल को बेहतर ढंग से लागू करने में उपयोगी सिद्ध होते है। पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं नीतिशास्त्र के अंतरराष्ट्रीय संसाधन केंद्र में सहायक कुलसचिव तथा एआइसीटीई द्वारा नामित राज्य अकादमिक समन्वयक जितेंद्र नरूला मुख्य वक्ता रहे तथा तीन दिवसीय कार्यक्रम का संचालन किया। विश्वविद्यालय के डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम का समन्वयन सहायक प्रोफेसर ललित राय ने किया। जितेंद्र नरूला ने मानवीय मूल्यों पर व्याख्यान देते हुए मौजूदा परिदृश्य में इसकी उपयोगिता पर विचार रखे। कार्यक्रम मुख्यतः समाज व प्रकृति के साथ मानवीय संबंधों पर केन्द्रीत रहा। कार्यक्रम के दौरान जीवन में प्रसन्नता, आकांक्षा, लक्ष्य प्राप्ति तथा सफलता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

वाईएमसीए यूनिवर्सिटी में मुख्य वक्ता जितेंद्र नरूला को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ● जागरण

NEWS CLIPPING: 10.07.2018

PUNJAB KESARI (DELHI)

नैतिकता और मानवीय मूल्यों की शिक्षा विद्यार्थियों के साथ बेहद जरूरी

फरीदाबाद, (ब्यूरो): अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् एआईसीटीई द्वारा निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के अंतर्गत नये शैक्षणिक सत्र में शुरू किये जा रहे तीन सप्ताह के अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम इंडक्शन प्रोग्राम को बेहतर ढंग से लागू करने के दृष्टिगत वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट एफडीपी कार्यक्रम संपन्न हो गया। तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम में फरीदाबाद, गुड़गांव, झज्जर, महेन्द्रगढ़, नूंह, मेवात, पलवल, रेवाड़ी और दिल्ली के सरकारी व निजी इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संस्थानों के लगभग 200 संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया, जिसका उद्देश्य संकाय सदस्यों को अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रशिक्षित करना है ताकि वे अपने संस्थानों में अनिवार्य प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन करने में सक्षम हो सके। समापन

इंडक्शन प्रोग्राम को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

समारोह में कुलपति प्रो दिनेश कुमार मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता पर आयोजकों को बधाई दी तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम शैक्षणिक गुणवत्ता की पहल को बेहतर ढंग से लागू करने में उपयोगी सिद्ध होते है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जा रहा अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम शिक्षकों की भूमिका में बदलाव लाने में अहम साबित होगा। उन्होंने कहा कि नैतिकता तथा मावनीय मूल्यों की शिक्षा विद्यार्थियों के साथ बेहद जरूरी है, ताकि वे समाज में बेहतर नागरिक बन सके। उन्होंने कहा कि नैतिकता तथा मावनीय मूल्यों की शिक्षा के लिए शिक्षक को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं नीतिशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र में सहायक कुलसचिव तथा एआईसीटीई द्वारा नामित राज्य अकादमिक समन्वयक जितेन्द्र नरूला मुख्य वक्ता रहे तथा तीन दिवसीय कार्यक्रम का संचालन किया। विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक डॉ विक्रम सिंह की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम का समन्वयन सहायक प्रोफेसर ललित राय ने किया। श्री नरूला ने कहा कि मानवीय मूल्यों पर व्याख्यान देते हुए मौजूदा परिदृश्य में इसकी उपयोगिता पर विचार रखे। कार्यक्रम मुख्यत: समाज व प्रकृति के साथ मानवीय संबंधों पर केन्द्रीय रहा। कार्यक्रम के दौरान जीवन में प्रसन्नता, आकांक्षा, लक्ष्य प्राप्ति तथा सफलता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपने अनुभव साझे किये। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने मुख्य वक्ता जितेन्द्र नरूला को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

YMCA University of Science & Technology
(NAAC Accredited Grade 'A' State University)
Sector 6, Faridabad (HARYANA) – 121006

NEWS CLIPPING: 10.07.2018

HINDUSTAN

प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन होगा

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (एआईसीटीई) के निर्देशानुसार शुरू होने वाला अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम शिक्षकों की भूमिका में बदलाव लाने में मदद करेगा। ये विचार वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति ने संस्थान में हुए तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम के अंतिम दिन बतौर मुख्य अतिथि रखे।

एआईसीटीई की ओर से निर्धारित मॉडल पाठ्यक्रम के तहत नए शैक्षणिक सत्र में तीन सप्ताह का अनिवार्य प्रेरण कार्यक्रम शुरू करने की योजना बनाई है। इसे लेकर वाईएमसीए में चल रहे कार्यक्रम का सोमवार को समापन हुआ। इस कार्यक्रम में फरीदाबाद और पलवल

समापन समारोह

- इंजीनियरिंग संस्थानों में शिक्षकों की भूमिका में बदलाव में मदद
- वाईएमसीए में तीन दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन

के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, झज्जर, महेन्द्रगढ़, नूंह, मेवात, रेवाड़ी के सरकारी व निजी इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संस्थानों से करीब दो सौ संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सभी सदस्यों को प्रेरण कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि कुलपति ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जा रहा ये कार्यक्रम छात्रों को नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूक बनाएगा। कार्यक्रम का संचालन एआईसीटीई की ओर से नामित राज्य अकादमिक समन्वयक व पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय के सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं नीतिशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र में सहायक कुलसचिव जितेन्द्र नरूला ने ने किया।

बतौर मुख्य अतिथि जितेंद्र नरूला ने मानवीय संबंधों पर विचार रखते हुए प्रसन्नता, आकांक्षा, लक्ष्य प्राप्ति तथा सफलता जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की। विश्वविद्यालय के डीन (अकादमिक) डॉ. विक्रम सिंह ने कार्यक्रम की देखरेख की और कोऑर्डिनेटर सहायक प्रोफेसर ललित राय रहे।

NEWS CLIPPING: 10.07.2018

NAVBHARAT TIMES

चर्चा हुई

प्रस, फरीदाबाद : अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के निर्धारित मॉडल कोर्स के अंतर्गत नए सेशन में शुरू किए जा रहे तीन सप्ताह के इंडक्शन प्रोग्राम को सही तरीके से लागू करने के लिए वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय फैकल्टी डिवेलपमेंट कार्यक्रम सोमवार को संपन्न हो गया।